

कार्यालय : मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखण्ड
4 - सुभाष रोड़, सचिवालय परिसर, देहरादून - 248001

फोन नं० (0135) - 2712055, 2713551

फैक्स नं० (0135) - 2712014, 2713724

संख्या / 310 / 25-XXV-1(1-3) / 2008

देहरादून : दिनांक ०५ सितम्बर, 2008

अतिआवश्यक / समयबद्ध

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी /
जिला निर्वाचन अधिकारी,
उत्तराखण्ड।

विषय- विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के नये परिसीमन के उपरान्त मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण प्रस्तावों में विभिन्न त्रुटियों के संबंध में।

महोदय / महोदया,

उपरोक्त विषयक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के नये परिसीमन के उपरान्त मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण हेतु जनपदों से प्राप्त प्रस्तावों को इस कार्यालय द्वारा अनुमोदन हेतु भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किया गया था, जिन पर आयोग द्वारा औपचारिक अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है, जिससे आपको पूर्व में ही अवगत करा दिया गया है।

2. अनुमोदन हेतु प्रेषित प्रस्तावों के संबंध में आयोग द्वारा कतिपय बिन्दुओं पर औचित्य उपलब्ध कराये जाने की अपेक्षा की गयी, जिस पर इस कार्यालय द्वारा समस्त जनपदों से आवश्यक विवरण प्राप्त किया गया। जनपदों से प्राप्त विवरण/कारणों के क्रम में इस कार्यालय द्वारा आयोग को अवगत कराते हुए प्रेषित प्रस्तावों के संवीक्षा पत्रकों पर उक्त औचित्य अंकित किया गया है, जिसका जनपदवार विवरण आपके सुलभ सन्दर्भ हेतु संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है।

3. जनपदों द्वारा उपलब्ध कराये गये संवीक्षा पत्रकों एवं मतदेय स्थलों की सूची (प्रारूप-10) में विसंगतियां होने के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अवगत कराया गया है, यथा :-

1. एक मतदेय स्थल में सम्मिलित ग्रामों के मतदाताओं के कुल योग में अन्तर।
2. कतिपय विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के कुल मतदाताओं के योग में अन्तर।
3. कतिपय जनपदों द्वारा कुल मतदाताओं के योग में सर्विस मतदाताओं को सम्मिलित नहीं किया गया है।
4. कतिपय विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की संवीक्षा पत्रक में अंकित अधिकतम/न्यूनतम मतदाता वाले मतदेय स्थलों की गलत संख्या का अंकन किया गया है (यथा अधिकतम अथवा न्यूनतम मतदाता मतदेय स्थल संख्या X में है किन्तु संवीक्षा पत्रक में मतदेय स्थल संख्या Y दर्शाया गया है)।
5. ऐसे मतदेय स्थल, जो अधिकतम मतदाता वाले गावों में स्थापित नहीं किये गये हैं, के संबंध में संवीक्षा पत्रकों में अंकित संख्या एवं प्रारूप-10 में उपलब्ध विवरण की गणना के उपरान्त कुल संख्या में अन्तर है।

उक्त सन्दर्भ में आयोग को प्रेषित प्रस्तावों एवं तदोपरान्त इस कार्यालय को उपलब्ध करायी गयी आख्या में ऐसे मतदेय स्थलों की संख्या में अन्तर दर्शाया गया है, जिस कारण उक्त त्रुटियों का निराकरण करने में कठिनाई उत्पन्न हो रही है।

6. ऐसे मतदेय स्थल, जो मतदेय स्थल से आच्छादित ग्रामों से बाहर स्थापित किये गये हैं, के संबंध आयोग को प्रेषित प्रस्तावों में अंकित संख्या एवं प्रारूप-10 में उपलब्ध विवरण की गणना के उपरान्त कुल संख्या में अन्तर।
7. संवीक्षा पत्रक एवं मतदेय स्थलों के प्रस्तावों में 02 कि०मी० से अधिक दूरी के मतदेय स्थलों की संख्या में अन्तर।

उपरोक्त को दृष्टिगत रखते हुए कृपया नये परिसीमन के उपरान्त मतदेय स्थलों के पुनर्निर्धारण हेतु प्रेषित प्रस्तावों एवं संवीक्षा पत्रकों की एक बार पुनः गहनता से जांच करते हुए जांच के दौरान पायी जाने वाली त्रुटियों/विसंगतियों का बिन्दुवार विवरण विषय वस्तु की जानकारी रखने वाले सहायक के माध्यम से इस कार्यालय को उपलब्ध कराने का कष्ट करें ताकि आयोग को प्रेषित प्रस्तावों में उपलब्ध अवशेष त्रुटियों अथवा विसंगतियों का यथाशीघ्र निराकरण कर किया जा सके।

उक्त के अतिरिक्त कृपया यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि आयोग के अनुमोदन अथवा इस कार्यालय को प्रेषित की जाने वाली प्रत्येक सूचना को तैयार करते समय अथवा प्रेषण से पूर्व गहनता से जांच के उपरान्त ही त्रुटिरहित एवं पुष्ट प्रस्ताव/सूचनायें/विवरण उपलब्ध कराये जाये ताकि बार-बार संशोधन आदि की आवश्यकता उत्पन्न न हो।

संलग्न-यथोपरि।

भवदीया,

(राधा रतूड़ी)
सचिव एवं
मुख्य निर्वाचन अधिकारी